

墨子 孟子 庄子

韓非子

先秦寓言選

荀子

惠子

列子



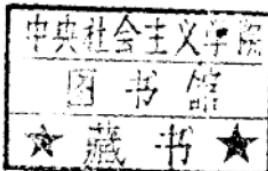
65658



先秦寓言选

贾克非

九月④



江苏教育出版社

先秦寓言选

贾克春

江苏教育出版社出版

江苏省新华书店发行 徐州新华印刷厂印刷

开本787×1092毫米 1/32 印张13.75 字数282,500

1986年10月第1版 1986年10月第1次印刷

印数1—2,000册

书号：7351·294 定价1.90元

责任编辑 常烽岚

前　　言

我国古代寓言是古代文艺宝库中的一颗明珠，它在思想和艺术上，至今仍有借鉴的价值。

寓言是一种用比喻故事表现主题思想的文学作品。它大都以简短的结构，鲜明的形象，用拟人与夸张、想象等手法，阐明某种道理，或讽刺某种社会现象。

寓言的基本特征是具有故事情节和寓意。比如“蚍蜉撼大树，可笑不自量”，因为没有故事情节，只是一个比喻。《于陵子》中的《中州之蜗》，不但比喻不自量力，还有故事情节，便成为寓言了。总之，我以为故事情节和寓意二者缺一，便不是寓言。

中国、印度、希腊是世界三大寓言的发祥地。我国古代寓言在公元前六世纪便产生了。我们现在所能见到的最早的资料，要数《左传》宣公十一年（公元前589年）《牵牛蹊田》的故事。故事情节非常简单，是用来批评楚人不该因夏征舒弑君而灭陈的。因为它故事情节不很完整，我们可视为萌芽状态的寓言。它和希腊的伊索寓言产生的时期恰好相当。到战国时期，我国古代寓言在艺术上便完全成熟了。

我国战国时期，古代寓言创作出现了空前繁荣的局面。当时正是社会大变革时期，各诸侯国之间的矛盾、各诸侯国内统治集团之间的矛盾，都很激烈。各种哲学流派与思想体系，应运而生，出现了百家争鸣的盛况。各派人物都竭力驰骋其思辨才能，游说“时君世主”。为了驳倒对方，为了使

自己的哲学见解和政治主张能吸引人，他们都积极采用寓言这一形式，搜集和创作寓言便成为一种风气，这也是先秦诸子著作中包含着大量寓言的原因。其中最突出的是《庄子》、《列子》、《韩非子》、《吕氏春秋》和《战国策》。其次是《墨子》、《孟子》、《晏子春秋》和《尹文子》等。这些寓言成为先秦诸子著作中最富有文采的一部分。

先秦寓言在内容上的特点是政治哲理性强，可称之为政治哲理寓言。它敢于批评时政，宣传自己的政治主张，讽刺的矛头大多直指当时的统治者。用生动、形象、富于文采的寓言故事来阐明抽象的哲理，是我国先秦诸子哲学的特点。

除哲理寓言之外，先秦寓言还有以下几种内容：一是讽刺病态的社会现象；二是告诫或劝诫性的；三是介绍学习经验和方法的；四是歌颂勇敢、智慧和忠诚正直的品德的。先秦寓言的内容是极其丰富的，阅读这些寓言，对先秦哲学、政治思想和社会状况的了解，大有裨益。

先秦寓言的题材也很广泛，大致说来包括以下五个方面。一是生物故事；二是人和自然物合演的故事；三是神怪故事；四是人物故事；五是历史故事，用历史故事为题材，是我国古代寓言的特点之一。

西方寓言多为诗体，我国先秦寓言的体裁则全是散文。这是因为我国先秦寓言大都附丽于诸子散文之中。这种体裁灵活而少拘束，先秦以后的寓言作家继承了这一传统，所以我国先秦以后的寓言，诗体的也很少。

先秦寓言的篇幅，十分灵活，最短的只一二十个字，最长的却有二三千字。我国先秦寓言侧重于说理，讽刺也往往是为了阐明哲学见解和政治主张，因此绝大多数寓言的结构

都很简短，也不作细节描写，而以能表现主题思想为足，这对于寓言的艺术性是不利的，《韩非子》中的不少寓言充分反映了这种情况。

寓言最常用的手法是拟人化，这一手法在战国时期已经成熟了，《庄子》和《战国策》中的寓言，这方面表现得最为突出。夸张和想象也是先秦寓言常用的手法。这些手法都为后代寓言作家所继承和发展。

先秦战国时期是我国古代寓言创作的黄金时代，其思想艺术水平足以与西方的伊索寓言相媲美，而数量则远远超过了西方。归于伊索名下的寓言只有四百则，而我国先秦寓言据初步统计却有近千则。我国古代寓言至今家喻户晓的，仍以先秦寓言居多，其中不少已成为成语被广泛使用。因此将先秦寓言选辑成专集是有其现实意义的。这一工作虽已有人做过，但所选作品的数量略嫌不足，本书想为先秦寓言编一较为完备的选本。

本书所选作品按时间先后编排，每则都注明详细出处，重见于几部书中的作品，一般从时代较早的书中选出。原文有标题的用原标题，无标题的，则依故事梗概拟定。

本书体例分为原书简介、原文故事、注释、译文和简评五个部分。原文有歧异的，以善本为据，不一一考证；无善本可据的，则略加说明。注释以简明为原则，但不过分求简而着重于使读者知其所以然。译文力求直译，须添补的话用方括号标明，以便读者对照原文。简评长短不一，原意显豁的，只略加评点；原意隐晦的，则说明原意。这些做法，是想除了介绍先秦寓言之外，能使本书成为学习文言文的辅助读物。

本书在选注过程中，江苏教育出版社多次给予指导。解放军报社的方抚时同志在百忙中为本书审阅初稿。南京师范大学常国武副教授对本书的第二稿，作过精心审校，为本书改正了不少错误，提出过不少好建议。湖北省社会科学院文研所的吴丈蜀先生对某些作品的简评也提过意见。黄石市图书馆、武汉市图书馆都热情地提供资料，谨在此一并致谢。编者学识浅陋，错误一定不少，敬祈读者不吝赐教。

贾 克 非

1982年10月25日

目 录

| | |
|----------|----|
| 《墨子》寓言选 | 1 |
| 慎染 | 1 |
| 楚王好细腰 | 2 |
| 勾践好士勇 | 3 |
| 公输子为谁 | 4 |
| 击邻家之子 | 5 |
| 奉水和掺火 | 5 |
| 墨子责骥 | 7 |
| 迎难而进 | 8 |
| 蛙鸣与鸡鸣 | 8 |
| 《田俅子》寓言选 | 10 |
| 买椟还珠 | 10 |
| 《胡非子》寓言选 | 12 |
| 弓与矢 | 12 |
| 《孟子》寓言选 | 13 |
| 五十步笑百步 | 13 |
| 揠苗助长 | 15 |
| 王良与嬖奚 | 16 |
| 攘鸡 | 17 |
| 楚人学齐语 | 18 |
| 逢蒙杀羿 | 19 |
| 齐人有一妻一妾 | 20 |

| | |
|---------|----|
| 校人烹鱼 | 22 |
| 弈秋诲弈 | 23 |
| 《庄子》寓言选 | 25 |
| 鲲鹏与蓬雀 | 25 |
| 不龟手之药 | 27 |
| 罔两问景 | 28 |
| 庖丁解牛 | 29 |
| 散木长寿 | 32 |
| 支离疏 | 34 |
| 鯈子食于死母 | 36 |
| 瓮堊大麇 | 36 |
| 相鳴相濡 | 37 |
| 浑沌之死 | 37 |
| 臧谷亡羊 | 38 |
| 汉阴丈人 | 39 |
| 斫轮老手 | 41 |
| 丑女效颦 | 43 |
| 望洋兴叹 | 44 |
| 坎井之蛙 | 45 |
| 邯郸学步 | 47 |
| 宁为曳尾龟 | 48 |
| 鵩雏与腐鼠 | 49 |
| 庄子鼓盆 | 51 |
| 鲁侯筋鸟 | 52 |
| 髑髅之乐 | 53 |
| 痴僕承蜩 | 55 |

| | |
|------------|----|
| 祝宗人说彘 | 57 |
| 纪褚子养斗鸡 | 58 |
| 激流凫水 | 59 |
| 梓庆为鐫 | 60 |
| 东野稷败马 | 62 |
| 螳螂捕蝉 | 63 |
| 逆旅二妾 | 65 |
| 鲁少孺 | 66 |
| 林回弃璧 | 68 |
| 真画者 | 69 |
| 运斤成风 | 70 |
| 一狙现巧 | 71 |
| 蜗角之战 | 72 |
| 种地的启示 | 73 |
| 涸辙鲋鱼 | 75 |
| 儒以《诗》《礼》发冢 | 76 |
| 任公子钓大鱼 | 78 |
| 神龟 | 79 |
| 原宪居鲁 | 81 |
| 庄子说剑 | 83 |
| 畏影恶迹者 | 90 |
| 朱泙漫学屠龙 | 90 |
| 曹商使秦 | 91 |
| 骊龙之珠 | 92 |
| 《列子》寓言选 | 94 |
| 杞人忧天 | 94 |

| | |
|--------|-----|
| 齐人盗天 | 96 |
| 朝三暮四 | 98 |
| 与鸥为友 | 99 |
| 尹氏治产 | 100 |
| 燕人归故国 | 102 |
| 愚公移山 | 103 |
| 终北仙境 | 107 |
| 两小儿辩日 | 109 |
| 詹何钓鱼 | 110 |
| 扁鹊换心 | 112 |
| 薛谭学讴 | 113 |
| 余音绕梁 | 114 |
| 偃师造人 | 115 |
| 纪昌学射 | 118 |
| 造父习御 | 120 |
| 田夫献曝 | 121 |
| 身直则影正 | 122 |
| 施氏与孟氏 | 123 |
| 晋文公欲伐卫 | 125 |
| 郁雍视盗 | 126 |
| 两个兰子 | 128 |
| 九方皋相马 | 129 |
| 牛缺遇盗 | 132 |
| 腐鼠招灾 | 134 |
| 爰旌目呕食 | 135 |
| 杨布打狗 | 137 |

| | |
|-----------|-----|
| 歧路亡羊 | 138 |
| 不死之道 | 139 |
| 献鸠 | 140 |
| 鲍氏之子 | 140 |
| 岂辱马医 | 142 |
| 宋人拾遗契 | 143 |
| 人有亡铁者 | 143 |
| 齐人攫金 | 144 |
| 《宓子》寓言选 | 146 |
| 钓鱼 | 146 |
| 《魏文侯书》寓言选 | 148 |
| 皮与毛 | 148 |
| 魏文侯挨打 | 150 |
| 五不足恃 | 151 |
| 《惠子》寓言选 | 153 |
| 各有所长 | 153 |
| 《商君书》寓言选 | 155 |
| 东郭敞多愿 | 155 |
| 《尸子》寓言选 | 156 |
| 医殉 | 156 |
| 孟贲不易勇 | 157 |
| 巫马其实酰 | 157 |
| 《申子》寓言选 | 159 |
| 叶公好龙 | 159 |
| 《尹文子》寓言选 | 161 |
| 凤凰与野鸡 | 161 |

| | |
|-----------|-----|
| 黄公好谦 | 162 |
| 盗玉大夫 | 163 |
| 盗盗殴殴 | 165 |
| 《晏子春秋》寓言选 | 166 |
| 景公求雨 | 166 |
| 不知冷暖 | 168 |
| 二桃杀三士 | 169 |
| 社鼠 | 174 |
| 越石父客晏子 | 175 |
| 晏子的车夫 | 178 |
| 晏子使楚（一） | 180 |
| 晏子使楚（二） | 181 |
| 挂牛头卖马肉 | 183 |
| 晏子辞高纠 | 184 |
| 晏子谏杀烛邹 | 186 |
| 《宋玉集》寓言选 | 188 |
| 曲高和寡 | 188 |
| 《管子》寓言选 | 190 |
| 傅马栈 | 190 |
| 虎畏驳马 | 191 |
| 《景子》寓言选 | 193 |
| 宓子贱与巫马其 | 193 |
| 《子陵子》寓言选 | 195 |
| 中州之蜗 | 195 |
| 《鹖冠子》寓言选 | 197 |
| 孰为善医 | 197 |

| | |
|----------|-----|
| 《荀子》寓言选 | 199 |
| 蒙鸠为巢 | 199 |
| 涓蜀梁见鬼 | 200 |
| 曾子食鱼 | 200 |
| 欹器 | 201 |
| 净臣可贵 | 202 |
| 魏武侯与楚庄王 | 204 |
| 《阙子》寓言选 | 207 |
| 宋人以石为宝 | 207 |
| 金钩桂饵 | 208 |
| 《礼记》寓言选 | 210 |
| 苛政猛于虎 | 210 |
| 嗟来之食 | 211 |
| 《韩非子》寓言选 | 213 |
| 颜涿聚直言不惜死 | 213 |
| 郑武公伐胡 | 215 |
| 宋人疑盗 | 216 |
| 弥子瑕失宠 | 216 |
| 和氏之璧 | 217 |
| 春申君弃妻 | 219 |
| 扁鹊见蔡桓公 | 220 |
| 子罕贱玉 | 222 |
| 以象为楮叶 | 223 |
| 赵襄主学御 | 224 |
| 目不见睫 | 225 |
| 纣为象箸 | 226 |

| | |
|--------|-----|
| 战胜故肥 | 228 |
| 涸泽之蛇 | 229 |
| 老马识途 | 230 |
| 远水不救近火 | 230 |
| 乐羊食子 | 231 |
| 纣为长夜之饮 | 232 |
| 鲁人徙越 | 233 |
| 卫人嫁女 | 234 |
| 鲁丹去中山 | 235 |
| 宋贾买璞 | 236 |
| 撒鹿之技 | 237 |
| 荆公子伐陈 | 237 |
| 两口之蛇 | 238 |
| 三虱相争 | 239 |
| 文子知人 | 240 |
| 沮卫与蹶融 | 241 |
| 智伯伐仇由 | 242 |
| 叔孙父子之死 | 244 |
| 莫三人而迷 | 246 |
| 大鱼与河伯 | 247 |
| 董阏于守上地 | 247 |
| 子产教游吉 | 249 |
| 卫嗣君重法 | 250 |
| 慈惠之功 | 251 |
| 滥竽充数 | 252 |

| | |
|--------|-----|
| 越王弑蛙 | 253 |
| 吴起守西河 | 254 |
| 韩昭侯藏弊裤 | 255 |
| 商太宰与牛屎 | 256 |
| 子之相燕 | 257 |
| 李季浴矢 | 258 |
| 夫妻祝祷 | 259 |
| 美人受刺 | 259 |
| 夷射与刖跪 | 261 |
| 宰臣辩诬 | 263 |
| 棘刺为猴 | 264 |
| 射稽唱歌 | 266 |
| 郑人争年 | 267 |
| 画鬼与画狗 | 268 |
| 吴起吮疮 | 268 |
| 播吾之迹 | 269 |
| 卜妻制裤 | 270 |
| 车轭的风波 | 270 |
| 郢书燕说 | 271 |
| 郑人买履 | 272 |
| 恐敌症 | 273 |
| 齐桓公好服紫 | 273 |
| 释车而走 | 275 |
| 曾子杀猪 | 276 |
| 吴起遇故人 | 277 |
| 少室周让贤 | 277 |

| | |
|----------|-----|
| 以耻为荣 | 278 |
| 西门豹纳玺 | 279 |
| 玉卮和瓦卮 | 280 |
| 狗猛酒酸 | 281 |
| 楚太子犯法 | 283 |
| 公仪休不受鱼 | 284 |
| 延陵卓子驾车 | 285 |
| 秦昭王有病 | 286 |
| 自相矛盾 | 287 |
| 守株待兔 | 288 |
| 《战国策》寓言选 | 290 |
| 前功尽弃 | 290 |
| 楚人有两妻者 | 292 |
| 管庄子刺虎 | 293 |
| 扁鹊投石 | 293 |
| 曾参杀人 | 294 |
| 恒思神丛 | 295 |
| 江上处女 | 296 |
| 东门无子 | 297 |
| 瓢肉与玉石 | 298 |
| 推己及人 | 299 |
| 海大鱼 | 301 |
| 画蛇添足 | 303 |
| 转祸为功 | 304 |
| 土偶与桃梗 | 307 |
| 兔犬俱罢 | 308 |